

Bhishma School of Indian Knowledge System

MA Course

संस्कृत भाषा परिचय

Lecture 2 – 11.10.2023

- Harshada Sawarkar

sawarkar.harshada123@gmail.com

अनुस्वार

कंकण – कङ्कण

पंच – पञ्च

घंटा – घण्टा

मंदिर – मन्दिर

कंप – कम्प

गंगा – गङ्गा

व्यंजन – व्यञ्जन

कंठ – कण्ठ

आनंद – आनन्द

बिंब – बिम्ब

वेदांग, दंत, पांडव, कुंतल, शंका, पंकज, चंचू, पंजर, डिंभ,
कंदुक, कंथा, अंध, कुंजिका, प्रचंड, कुंडल, कंबल, तांबूल,
तंडुल, हुंकार, भांडार, सांदीपनि, शंकर, कंटक, नंदन,
लंका, आलंबन, इंद्र, चिंता, भंग, दंड, यंत्र, आंजनेय, पिंड,
अंजलि, बंधु, भृंग, कुंती, नंदिनी, दूर्वांकुर, समरांगण,
कुंभकार, चंदनदास, सिद्धांत

उच्चारणस्थानानि Places of utterance

अकुहविसर्जनीयानां कण्ठः ।

ऋटुरषाणां मूर्धा ।

उपूपध्मानीयानाम् ओष्ठौ ।

एदैतोः कण्ठतालु ।

वकारस्य दन्तौष्ठम् ।

इचुयशानां तालु ।

लृतुलसानां दन्ताः ।

जमङ्णनानां नासिका च ।

ओदौतोः कण्ठोष्ठम् ।

नासिका अनुस्वारस्य ।

उच्चारणस्थानानि - उच्चारण के स्थान

उच्चारण के स्थान	वर्ण
कण्ठ्य Gutturals / Velars	अ क्, ख्, ग्, घ्, ङ्, ह और विसर्ग
तालव्य Palatals	इ, च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, य्, श्
मूर्धन्य Linguals / Cerebrals	ऋ ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण् र्, ष्
दन्त्य Dentals	लृ त्, थ्, द्, ध्, न् ल्, स्
ओष्ठ्य Labials	उ प्, फ्, ब्, भ्, म् उपध्मानीय
कण्ठ-तालव्य Gutturo-Palatals	ए, ऐ
कण्ठ-ओष्ठ्य Gutturo-Labials	ओ, औ
दन्त-ओष्ठ्य Dento-Labial	व्
जिह्वामूल Jihvāmūla	जिह्वामूलीय

यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।
स्वजनो श्वजनो माऽभूत्सकलं शकलं सकृत्शकृत्॥

हे पुत्र, भले ही तुम अन्य शास्त्र नहीं पढ़ते हो, फिर भी व्याकरण सीखो। अन्यथा, आपको स्वजन (रिश्तेदार) को श्वजन (कुत्ता), सकल (सभी/संपूर्ण) को शकल (जो टूटा हुआ) कहना पड़ेगा। व्याकरण इन शब्दों के बीच अंतर को समझने में मदद करता है।

वाक्य किसे कहते हैं?

शब्दों का ऐसा समूह जिसके द्वारा एक संपूर्ण कल्पना
कथन की जा सकती है।

वाक्य में सबसे महत्वपूर्ण घटक क्या होता है?



जी हाँ! क्रियापद!

क्रियापद ही क्यों ?

क्योंकि क्रियापद ही ऐसा घटक है, जो वाक्य के अर्थ को पूर्णता देता है।

अब ये उदाहरण देखिए -

रोहित ने शतक।

क्या हम इसे वाक्य कह सकते हैं?

रोहित ने शतक लगाया।

तो फिर हम वाक्य की व्याख्या कैसे करते हैं?

ऐसा शब्दों का समूह जो साधारणतः कर्ता, कर्म और क्रियापद के माध्यम से एक संपूर्ण कल्पना का ग्रहण करवाता है।

तो, वाक्य में ३ महत्त्वपूर्ण घटक होते हैं।

कर्ता

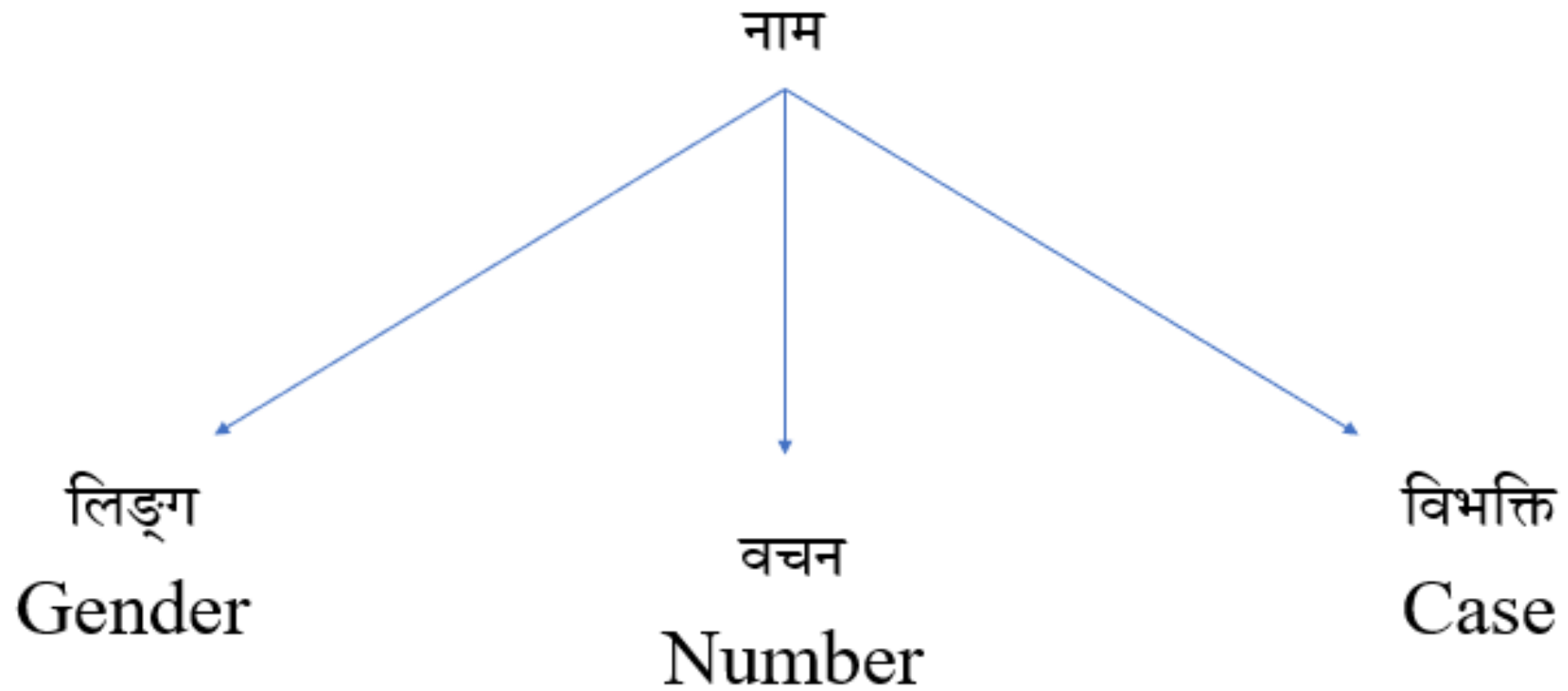
कर्म

क्रियापद

कर्ता और कर्म इन संकल्पनाओं का मूल स्वरूप क्या है?

यह दोनों 'नाम' / 'संज्ञा' होते हैं।

Nouns नामानि



Gender लिङ्ग

पुँल्लिङ्ग

Masculine

स्त्रीलिङ्ग

Feminine

नपुंसकलिङ्ग

Neuter

Number वचन / संख्या

एकवचन Singular

द्विवचन Dual

बहुवचन Plural

Case विभक्ति Vibhakti

प्रथमा Prathamā – Nominative - कर्ता

द्वितीया Dvītiyā – Accusative - कर्म

तृतीया Tṛtiyā – Instrumental - करण / साधन

चतुर्थी Caturthī – Dative - सम्प्रदान

पञ्चमी Pañcamī – Ablative - अपादान

षष्ठी Ṣaṣṭhī – Genitive - संबंध

सप्तमी Saptamī – Locative - अधिकरण / स्थान

संबोधन Sambodhana – Vocative - संबोधन

Case	Meaning	English	Hindi	Marathi	
Nominative प्रथमा	Subject कर्ता	-			
Accusative द्वितीया	Object कर्म	To	को	स,ला,ते	स,ला,ना,ते
Instrumental तृतीया	Instrument करण / साधन	By / With	ने, से	ने,ई,शी	नी,ही,ई,शी
Dative चतुर्थी	Present / Gift सम्प्रदान	To / For	को	स,ला,ते	स,ला,ना,ते
Ablative पञ्चमी	Ablation अपादान	From	से	ऊन, हून	ऊन, हून
Genitive षष्ठी	Relation संबंध	Of	-का	चा,ची,चे	चे,च्या,ची
Locative सप्तमी	Location अधिकरण / स्थान	On / In / Above / Below	में/पे/पर	त,ई,आ	त,ई,आ
Vocative संबोधन	Vocation संबोधन	O			नो